उद्यमियों को कच्चा माल सस्ता और आसानी से मिलेगा, लाखों एमएसएमई उद्योगों को मिलेगा लाभ

यूपी में कच्चे माल के 15 बैंक खोले जाएंगे

पहल

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश में उद्यमियों को आसानी से व अपेक्षाकृत सस्ते कच्चे माल की आपूर्ति हो सकेगी। प्रदेश में अभी सात जिलों में रा मटेरियल बैंक शुरू किए गए हैं। अब 15 जिलों में इस तरह के और बैंक खोले जाएंगे। इससे एमएसएमई सेक्टर को काफी बढ़ावा मिलेगा।

यूपी में कार्यरत उद्योगों को कच्चा माल आपूर्ति में तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कच्चा माल भी अलग-अलग जगहों से लाना पड़ता है। इससे उत्पाद की लागत बढ़ती है। अभी किसी उत्पाद की लागत में केवल कच्चेमाल की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है। ऐसे में कच्चे माल की लागत को स्थिर या कम कर उत्पाद की लागत कम की जा सकती है।

इसकी वजह यह है कि कच्चे माल की थोक मात्रा में खरीद होगी। रा मटेरियल बैंक माल की लागत स्थिर रख कर, एमएसएमई इकाइयों को माल आपूर्ति समय से सुनिशिचित करेंगे। यह आरएमबी केंद्र व राज्य सरकार की एजेंसियों व निर्माताओं व उद्यमियों के साथ एक पार्टनरशिप विकसित करेंगे। मिर्जापुर में कारपेट, उन्नाव में जरी जरदोजी, सीतापुर में कारपेट, अम्बेडकरनगर में टेक्सटाइल, मैनपुरी में स्टोन कटिंग, लखनऊ में चिकनकारी व भदोही में कारपेट के निर्माण के लिए रा मटेरियल बैंक ने काम शुरू कर दिया है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर बनाने के लिए ये प्रयास किए जा रहे।

70

प्रतिशत हिस्सा किसी उत्पाद की कीमत में कच्चे माल का होता है

उन जिलों पर फोकस जो खास उत्पाद के लिए प्रसिद्ध

रा मटेरियल बैंक खोलने के लिए उन जिलों पर फोकस किया जाएगा। जहां किसी खास उत्पाद निर्माण के लिए मशहूर हैं और एमएसएमई के बड़े केंद्र हैं। एमएसएमई सेक्टर से निर्यात बढ़ाने के लिए यूपी सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एमएसएमई उत्पादों को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि गुणवत्ता, पैकेजिंग के साथ-साथ लागत भी नियंत्रित रखी जाए।

निवेश का केंद्र बनेगा आगरा आईएमसी परियोजना शुरू

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) जल्द ही आगरा में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) की शुरुआत करने जा रहा है। आईएमसी आगरा, चमड़े, जूते और कृषि आधारित उत्पादों जैसे क्षेत्रों में आगरा की समृद्ध धरोहर का लाभ उठाते हुए, गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को बढ़ावा देकर, आगरा को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करेगी। यह क्लस्टर आर्थिक विकास को गति देगा, मजबूत उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा और क्षेत्र के कुशल कार्यबल और स्थानीय विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करेगा।

दिल्ली और लखनऊ से बेहतर कनेक्टिविटी: यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी के अनुसार आगरा की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता, खासकर ताज ट्रैपेजियम जोन के तहत, इसे पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक संचालन के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है।

औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रतीक बनेगा क्लस्टर

मयूर महेश्वरी ने कहा कि आईएमसी आगरा में सिटीजन मोबाइल एप्लिकेशन, सोलर पैनल और वाई-फाई स्पॉट के साथ स्मार्ट बस स्टॉप शामिल हैं। साथ ही, इसमें फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क, यूपीएस और डीजल जनरेटर बैकअप के साथ स्काडा प्रणाली भी मौजूद है।